INDORE, MONDAY, 31/08/2015

अट्रैक्टिव वेबसाइट्स बना कर की जा रही फिशिंग

CYBER AWARENESS

सिटी रिपोर्टर. पिछले दिनों एक आईटी कम्पनी के सर्वे में पाया गया कि यंगस्टर्स सबसे ज्यादा फिशिंग का शिकार हो रहे हैं। टियर टू सिटीज़ में सबसे बड़ा आंकड़ा इंदौर से ही मिला है। फिशिंग यानी जिस तरह मछुआरे चारा डालकर मछली को जाल में फंसाते हैं वैसे ही हैकर्स यूज़र्स के लिए फिशिंग मेल भेजते हैं और पर्सनल इन्फॉर्मेशन चुरा लेते हैं।

इस बारे में शहर के सायबर एक्सपर्ट आईजी वरुण कपूर से सिटी भास्कर ने बातचीत की और जाना कि कैसे हैकर्स फिशिंग कर रहे हैं और इससे कैसे बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि यंगस्टर्स के लिए इंटरनेट एक फैसिलिटी नहीं नेसेसिटी है। शॉपिंग, रीडिंग, राइटिंग, बैंकिंग, मूवी के टिकट और पिज्जा ऑर्डर भी वे वेबसाइट के ज़रिए दे रहे है। ई-कॉमर्स से कुछ सुविधाएं बढ़ीं तो कुछ मुसीबतें भी खड़ी हुई। फिशिंग भी ऐसी ही एक प्रॉब्लम है।

• वरुण कपूर

यूं करते है फिशिंग

इस बारे में आईजी वरूण कपूर ने बताया कि हैकर्स स्पैम मेल की एक वेव भेजते हैं। ये वेव रेपुटेड कंपनीज़ के बैनर के तले भेजे जाते हैं ताकि आसानी से यूजर को कन्विंस कर सकें। जो यूज़र्स इस पर क्लिक करते हैं वे इसका शिकार होते हैं। इसके अलावा वायरस भी फिशिंग का एक ज़रिया है। ई-मेल या इनसिक्योर वेबसाइट के द्वारा ये कम्प्यूटर में डाउनलोड हो जाते हैं और आपकी पर्सनल जानकारी चुराकर हैकर तक पहुंचा देते हैं। बैंक आउंट की इंफॉर्मेशन के जरिए फाइनेंशियल फ्रॉड होते हैं और पर्सनल कंटेंट हैक करके ब्लैकमेल भी किया जाता है।

फिशिंग ट्रिक्स

- **अनऑफिशियल 'फ्रॉम' एड्रेस** - हैकर्स किसी रेपुटेड कम्पनी से मिलते-जुलते नाम से फिशिंग मेल भेजते हैं। इन पर क्लिक न करें। पर्सनल इन्फॉर्मेशन कभी न डालें।
- **अर्जेंट एक्शन रिक्वायर्ड** - फॉडस्टर्स अकसर अर्जेंट एक्शन रिक्वायर्ड और कॉल्स टु एक्शन जैसे सब्जेक्ट यूज़ करते हैं ताकि आप तुरंत रिएक्ट करें। इनसे बचें।
- **लिंक टु ए फ़ेक वेबसाइट** - कहीं से लिंक कॉपी करने बजाए ख़ुद टाइप करके सर्च करें क्योंकि फ्रॉडस्टर्स असली लोगो और हूबहू दिखने वाली वेबसाइट्स बना देते हैं और आप इनपर अपनी पर्सनल इन्फॉर्मेशन डाल देते हैं।